



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 261]
No. 261]नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 6, 2003/ज्येष्ठ 16, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 6, 2003/JYAISTHA 16, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2003

सं. 51/2003—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 458(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के अध्याय 28 के अंतर्गत आने वाले मध्यवर्ती माल पर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण (जिसके अंतर्गत उसका अनुद्ग्रहण भी है) की बाबत जो, उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 71 के अन्तर्गत आने वाले स्वर्ण आभूषण के विनिर्माण के दौरान उद्भूत हुआ है, एक प्रथा साधारणतः प्रचलन में थी और ऐसे मध्यवर्ती माल ऐसे उत्पाद शुल्क के दायी थे, जो उक्त प्रथा के अनुसार 1 अप्रैल, 1996 को और उससे प्रारंभ होने वाली तथा 17 अगस्त, 2002 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उद्गृहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त अध्याय 28 के अन्तर्गत आने वाले उक्त मध्यवर्ती माल पर संदेय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क, जो उक्त अध्याय 71 के अन्तर्गत आने वाले स्वर्ण आभूषण के विनिर्माण के दौरान उद्भूत हुआ है, जो उक्त प्रथा के कारण नहीं संदाय किया गया था ऐसे मध्यवर्ती माल की बाबत, जिस पर उक्त उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्गृहीत नहीं किया जा रहा था, संदाय किए जाने के लिए अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 135/1/2001-सीएक्स. 4]

मनीष मोहन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 2003

No. 51/2003-CENTRAL EXCISE (NT)

G.S.R. 458(E).—Whereas the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the Central Excise Act), on intermediate goods falling under Chapter 28 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) arising during the course of manufacture of gold jewellery falling under Chapter 71 of the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act, and such intermediate goods were liable to duty of excise which was not being levied according to the said practice during the periods commencing on and from 1st April, 1996 and ending with 17th August, 2002;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the said Central Excise Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable on the said intermediate goods falling under said Chapter 28 arising during the course of manufacture of gold jewellery falling under said Chapter 71, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such intermediate goods on which the said duty of excise was not being levied during the aforesaid periods in accordance with the said practice.

[F. No. 135/1/2001-CX. 4]

MANISH MOHAN, Under Secy.